नईदुनिया

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

साप्ताहिक आधार पर 8,180 रुपये तक महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,510 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। इसी तरह हाजिर चांदी की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक का उछाल आ गया है।

कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में उछाल आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 8,180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 7,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। कीमत में आई तेजी के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,51,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकार्ड लाभ

नई दिल्ली। भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप आस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना आस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा।

एनसीएलएटी में लाग 9 की याचिका खारिज, 100 ईवी की बरामदगी में सहयोग का आदेश बरकरार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दिवाला प्रक्रिया में फंसी लाग 9 मोबिलिटी के दो निलंबित निदेशकों को बड़ा झटका दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज से पट्टे पर लिए गए 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की पहचान और बरामदगी में सहयोग करने का निर्देश दिया गया था।एनसीएलएटी ने इन निदेशकों की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने अहमदाबाद स्थित एनसीएलटी पीठ के 21 जुलाई के आदेश को चुनौती दी थी। एनसीएलटी ने लाग 9 मोबिलिटी के दोनों निलंबित निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज के कार्यालय में उपस्थित होकर फरीदाबाद स्थित लाग 9 मोबिलिटी के परिसर से 100 ईवी की पहचान और बरामदगी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया था। निदेशकों ने तर्क दिया था कि जेनसोल के साथ उनका कोई सीधा अनुबंध नहीं है और एनसीएलटी को किसी अन्य कारपोरेट देनदार की निलंबित प्रबंधन टीम के अधिकारियों को ऐसे निर्देश देने का अधिकार नहीं है। हालांकि, एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने इन दलीलों को खारिज कर दिया। न्यायाधिकरण ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी के पास व्यापक अधिकार हैं और वह ऐसे मामलों में आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह भी उल्लेख किया कि निदेशकों का मौजूदा रुख उनके ही पहले के बयान से मेल नहीं खाता।

भारतीय सेना और बुलेट का अटूट रिश्ता: भरोसे की एक ऐतिहासिक गाथा

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर राजपथ से लेकर दुर्गम सीमाओं तक, जब भारतीय सेना के जांबाज मार्च पास्ट करते हैं, तब उनकी वीरता के साथ रायल एनफील्ड बुलेट की गड़गड़ाहट विशिष्ट पहचान बन जाती है। यह रिश्ता केवल एक वाहन और उसके चालक का नहीं, बल्कि देशभक्ति, भरोसे और गौरव की एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है। दशकों से बुलेट ने देश की रक्षा में, कठिन से कठिन रास्तों पर एक विश्वसनीय साथी की भूमिका निभाई है। आजादी के तुरंत बाद 1947-48 के युद्ध ने कश्मीर और लद्दाख जैसे बर्फीले व पथरीले इलाकों में गश्त के लिए मजबूत और भरोसेमंद बाइक की तत्काल जरुरत का एहसास हुआ। कठोर परीक्षणों के बाद, रायल एनफील्ड बुलेट 350, अपने फोर-स्ट्रोक इंजन और आधुनिक रियर सस्पेंशन के कारण, सभी सैन्य मापदंडों पर खरी उतरी।

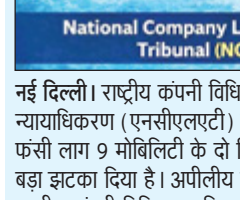

इस सप्ताह गुलजार रहेगा प्राइमरी मार्केट, 8 नए आईपीओ की लान्चिंग, 8 कंपनियों के शेयर भी स्टाक मार्केट में होंगे लिस्ट

नई दिल्ली

सोमवार यानी 10 अगस्त से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में अच्छी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह आठ कंपनियां अपने आईपीओ लान्च कर रही हैं। इनमें पांच कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह छह और सात अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले चार आईपीओ में भी इस सप्ताह 10 और 11 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इनमें दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के और दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह आठ कंपनियां स्टाक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष पांच कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 10 अगस्त को धूत ट्रांसमिशन का 3,066.89 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 829 रुपये प्रति शेयर से लेकर 871 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 17 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

10 अगस्त को ही मोलबियो डायग्नोस्टिक्स का 939.70 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 768 रुपये प्रति शेयर से लेकर 807 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 18 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन 11 अगस्त को मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का 1553 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 133 रुपये प्रति शेयर से लेकर 140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 107 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग

हो सकती है।

इसी दिन शाम फोम का 40.48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

11 अगस्त को ही एक और फैसिनेट टेक्सटाइल्स का 66.98 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च होगा। इस इश्यू में भी 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 148 रुपये प्रति शेयर से लेकर 156 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 800 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसके अगले दिन 12 अगस्त को बिहारी लाल इंजीनियरिंग का 302 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 271 रुपये प्रति शेयर से लेकर 285 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 52 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन प्रमोदिनी मेडिकेयर का 69.04 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च होगा। इस इश्यू में 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 110 रुपये प्रति शेयर से लेकर 118 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 12 अगस्त को ही शिपराकेट का 1,617.48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 92 रुपये प्रति शेयर से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 154 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह छह अगस्त को सब्सक्रिप्शन लिए खुले एलएपीएल आटोमोटिव के 32.40 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 10 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 88 रुपये प्रति शेयर से लेकर 94 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 13 अगस्त को बीएसई एसएमई प्लेटफार्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। ये आईपीओ अभी तक 31.41 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। इसी तरह पिछले सप्ताह सात अगस्त को सब्सक्रिप्शन लिए खुले लीप इंडिया के 2,480 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार यानी 11 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 151 रुपये प्रति शेयर से लेकर 159 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 94 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। ये आईपीओ अभी तक 28 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका है। पिछले सप्ताह सात अगस्त को ही सब्सक्रिप्शन लिए खुले टेक्नोक्राफ्ट वेंचर्स के 251.88 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी मंगलवार यानी 11 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 200 रुपये प्रति शेयर से लेकर 212 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 70 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। ये आईपीओ अभी तक 2.59 गुना सब्सक्राइब हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने आईओएल और एनआरएल के रिकार्ड मुनाफ़े पर जताई खुशी

गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री डा. हिमंत बिस्व सरमा ने आयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) द्वारा हासिल किए गए रिकार्ड वित्तीय और आपरेशनल लक्ष्यों का जिक्र किया। उन्होंने इस परफार्मेंस को असम के लिए गर्व की बात और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में एक अहम योगदान बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि आईओएल ने 2,870 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे ज़्यादा तिमाही स्टैंडअलोन प्राफ़िट आफ्टर टैक्स (पीएटी) दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 2.5 गुना ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी कच्चे तेल के प्रोडक्शन में 11 प्रतिशत की वृद्धि और कीमतों से अच्छी कमाई के कारण हुई।

ओआईएल का कंसोलिडेटेड पीएटी 4,027 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 97 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है, जबकि कच्चे तेल का प्रोडक्शन 0.950 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया। कंपनी ने 10,921 टन (यानी 84,109 बैरल) का अब तक का सबसे ज़्यादा दैनिक कच्चा तेल प्रोडक्शन भी दर्ज किया।

मुख्यमंत्री ने अंडमान बेसिन में ओआईएल की खोज गतिविधियों और असम में एक आनशोर कुएं में 3,116 मीटर के अब तक के सबसे ज़्यादा हारिजान्टल डिस्प्लेसमेंट (क्षैतिज विस्थापन) की उपलब्धि पर भी प्रकाश डाला।

वहीं, एनआरएल ने प्राफ़िट आफ्टर टैक्स में पिछले साल के मुकाबले 167 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 1,305 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रिफाइनरी ने 35.95 डालर प्रति बैरल का ग्रास रिफाइनिंग मार्जिन और 87.58 प्रतिशत का डिस्टिलेट यील्ड भी हासिल किया।

मुख्यमंत्री डा. हिमंत बिस्व सरमा ने इन उपलब्धियों के लिए ओआईएल टीम को बधाई दी और कहा कि ये उपलब्धियां भारत के ऊर्जा क्षेत्र में असम की भूमिका को मज़बूत करती हैं और देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देती हैं।

अल नीनो से भारत स?हित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर महंगाई का खतराः एसएंडपी

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र, विशेषकर भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन, 2026 में शुरू होने वाले अल नीनो के कारण बढ़ती कीमतों के बीच मौसम संबंधी आपूर्ति झटकों के प्रति संवेदनशील हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, हालांकि व्यापक प्रभाव प्रबंधन योग्य रहने की उम्मीद है। एसएंडपी के अनुसार अल नीनो से कृषि उत्पादन में कमी, खाद्य महंगाई में वृद्धि और जलविद्युत उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया विशेष रूप से प्रभावित होंगे। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अगस्त से अक्टूबर के बीच मजबूत अल नीनो की आशंका जताई है। भारत के पास जुलाई 2026 तक पर्याप्त खाद्य भंडार हैं और जिला स्तर पर किसानों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अन्य एशियाई देशों ने भी खाद्य भंडार बढ़ाने, आयात योजना में सुधार और सिंचाई ढांचे में निवेश जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, कृषि पर अधिक निर्भर अर्थव्यवस्थाएं और खाद्य आयात पर निर्भर उपभोक्ता गंभीर प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमी से कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग पर जोखिम की चेतावनी दी है।

यूपीआई लेनदेन आम जनता के लिए मुफ्त, सरकार ने आरोपों को किया खारिज

बड़े व्यापारियों पर ही लग सकता है एमडीआर

नई दिल्ली

डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए आम लोगों द्वारा किए जाने वाले लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें किसी बाहरी दबाव के चलते यूपीआई नीतियों में बदलाव की बात कही जा रही थी। व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) भुगतान भी पहले की तरह निःशुल्क जारी रहेगा।

सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले आम ग्राहकों से कोई ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा। भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होता भी है, तो इसका असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल कुछ बड़े कारोबारियों के चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जाएगा, जिसकी दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लगने वाले एमडीआर के मुकाबले काफी कम और मामूली होगी। एमडीआर कब और कितना लगाया जाए, इसका फैसला नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया (एनपीसीआई) की यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी।

इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, जिसका उद्देश्य यूपीआई तकनीक को बेहतर बनाना और भुगतान प्रणाली को मजबूत करना है। डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री का मानना है कि थ्रेशोल्ड का मतलब है कि भविष्य में एमडीआर सिर्फ ज्यादा टर्नओवर वाले बड़े व्यापारियों पर ही लगाया जाएगा।

पेमेंट्स काउंसिल आफ इंडिया (पीसीआई) ने पहले भी बड़े व्यापारियों के लिए 0.3 फीसदी की मामूली एमडीआर दर लागू करने का सुझाव दिया था। पीसीआई के अनुसार, देश के लगभग 90 फीसदी छोटे व्यापारी (सालाना टर्नओवर 20 लाख से कम) इससे प्रभावित नहीं होंगे। करीब 50 लाख बड़े कारोबारी, जो पहले से ही कार्ड पेमेंट पर 0.9 से 2 फीसदी तक एमडीआर देते हैं, वे ही इसके दायरे में आ सकते हैं।

हाल ही में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी यूपीआई पर एमडीआर लगाने की चर्चा को समय से पहले बताया था, उनके मुताबिक रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता है।

बीते सप्ताह सस्ते हुए सोयाबीन और पाम तेल, सरसों और बिनौला में उछाल

सोयाबीन-पाम तेल में लागत से कम दाम पर बिकवाली

नई दिल्ली

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के चलते सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन में गिरावट आई, जबकि त्योहारी मांग और कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल में मामूली तेजी दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातक बैंकों में अपना कर्ज (एलसी) घुमाने के दबाव में माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं। विदेशों में कीमतें अधिक होने के बावजूद इस प्रकार की बिकवाली से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट देखने को मिली। कामकाज कुछ कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी

मामूली कमजोर रहे। दूसरी ओर, कम आवक और आगामी त्योहारी मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता और बड़ी ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के चलते बिनौला तेल के दामों में मामूली तेजी देखी गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि भारत जैसे खाद्य तेल आयात पर निर्भर देश में लागत से कम दाम पर खाद्य तेलों की बिकवाली बैंकों और किसानों के लिए गंभीर चुनौती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 50 रुपये के सुधार के साथ 16,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,730-2,830 रुपये और 2,730-2,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 7,300-7,350 रुपये और 7,150-7,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,725 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,575 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 125 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 175 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।